<u>कार्पोरेट सामाजिक दायित्व - मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की पहल</u>

दिनांक 2.12.2011 के पत्र के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों पर आधारित मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियाँ प्रारंभ की गयी. दिनांक 28.2.2012 के संकल्प संख्या 163 द्वारा, मुंबई पोर्ट न्यासी मंडल ने यह निर्णय लिया कि वर्ष 2011-12 के आगे से सीएसआर निधि के लिए कुल शुध्द लाभ का 3% आबंटित किया जायेगा बशर्ते कि यह राशि कम से कम 3 करोड रु. हो. तदनुसार, वर्ष 2011-12 में सीएसआर के लिए 5.01 करोड रु. आबंटित किया गया.

2.1 उसके बाद मंत्रालय ने दिनांक 12.4.2013 के कार्यालय ज्ञापन के अन्तर्गत सुधारित सीएसआर और संवहनीयता दिशा-निर्देश जारी किये. मंत्रालय द्वारा जारी नये दिशा-निर्देशों के आधार पर मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की सीएसआर नीति निर्धारित की गयी जिसमें निम्नलिखित शामिल है:

(i) एशियाटिक लायब्रेरी, छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय (म्यूझियम), जे.जे. स्कूल ऑफ आर्टस् , जहांगीर आर्टस् गॅलेरी, नॅशनल गॅलेरी ऑफ मॉडर्न आर्टस् जैसे मान्यता प्राप्त शीर्ष राष्ट्रिय निकायों आदि से संलग्न पंजीकृत क्रीड़ा संघ जैसे विख्यात संस्थानों/एजंसियों के चिन्हित उपक्रम/परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके जल क्रीड़ा, कला एवं संस्कृति को बढावा देना.

(ii) बॉम्बे नॅचरल हिस्टरी सोसायटी, डब्लूडब्लूएफ आदि के अलावा महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम जैसे स्थानीय निकायों/सरकारी संस्थाओं जैसे विख्यात संस्थाओं के साथ सहयोग करके समुद्री पर्यावरण का संरक्षण.

(iii) टीआयएसएस के सीएसआर केंद्र अथवा सार्वजनिक न्यासों और जो विगत तीन से पाँच वर्षों के दौरान गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में काम कर रहे हों द्वारा नामित एजेंसियों की विशिष्ट परियोजनाओं को निधि देकर अथवा सहयोग करके बच्चें के शिक्षा और/अथवा व्यावसायिक प्रशिक्षण पर जोर देकर झुग्गी-झोंपडी/ गांव/समुदाय को गोद लेना.

2.2 तत्पश्चात, मंत्रालय ने दिनांक 21.10.2014 के कार्यालय ज्ञापन अन्तर्गत सुधारित दिशा-निर्देश संप्रेषित किये, जो 1.4.2014 से प्रभावी हैं. नये दिशा-निर्देशों के आधार पर, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की सीएसआर नीति में संशोधन किया गया था. जिसमें अब चार क्षेत्रों को शामिल किया गया, जो निम्न प्रकार है -

(i) अत्यधिक भूखमरी तथा गरीबी उन्मूलन;
(ii) शिक्षा को बढावा देना;
(iii) स्त्री-पुरुष समानता को बढावा देना तथा महिला सशक्तिकरण;
(iv) शिशु मृत्यु दर कम करना तथा मातृ स्वास्थ्य में सुधार करना.

3. सीएसआर के लिए आबंटित कुल निधि निम्न प्रकार है:

वर्ष	रुपये
2011-12	5,01,00,000
2012-13	3,00,00,000
2013-14	3,00,00,000
2014-15	32,00,000
कुल	11,33,00,000

वर्ष 2014-15 में पोर्ट को हुई घाटे को देखते हुए सीएसआर को वित्तीय वर्ष 2015-16 से कोई निधि आबंटित नही की गयी. वर्ष 2012-13 से प्रारंभ की गई परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है:

(i) दिनांक 28.11.2013 से 4.2.2014 तक छत्रपती शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय (सीएसएमव्हीएस) में आयोजित अँटवर्प से फ्लेमिश मास्टरपीसेस प्रदर्शिनी 17वीं शताब्दी से विशिष्ट चित्रकारी नामक शीर्षक से जुडे शिक्षा कार्यक्रमों क ाú सहायता के लिए 2013 में छत्रपती शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय (सीएसएमव्हीएस) को 10 लाख रुपये प्रदान किये गये. यह पोर्ट ऑफ ऍटवर्प तथा रायल म्युझियम आॐ फाईन आर्टस, अँटवर्प के सहयोग से किया गया.

(ii) राष्ट्रीय धरोहर पर्यटक गंतव्य स्थल के रूप में कान्होजी आंग्रे द्वीप के विकास के लिए वर्ष 2013 में दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालयको 30 लाख रुपये प्रदान किये गये.

(iii) (a) पांच सौ पुरानी तथा दुर्लभ पुस्तकें, विशेषकर समुद्री क्षेत्र अथवा/ और मुंबई शहर से संबंधित पुस्तकों के संरक्षण के लिए दी एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई को 37.50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गयी.

(b) इसके साथ ही पाँच प्लान कोष की खरीद तथा बॉम्बे गज़ट (1862 से 1914), बॉम्बे गज़ट वीकली (1814 से 1841) तथा बॉम्बे क्रोनिकल (1913 से 1959) के पुराने प्रकाशनों के डिजिटलयजेशन के लिए 2013 में दी एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई को 5 लाख रुपये प्रदान किये गये.

(iv) 'व्यापक स्कूल आधारित स्वास्थ्य कार्यक्रम पर 2013 में ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटजीस को 49.50 लाख रुपये की राशि प्रदान की गयी. इसे बृहन मुंबई महानगरपालिका के शिक्षा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया गया. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने उक्त परियोजना के लिए एक वर्ष के पहले निधि प्रदान की है. जिसमें जमीनी स्तर के अधिकतर काम पूर्ण किये गये है.

(v) गेटवे ऑफ इंडिया पर दिनांक 26 नवंबर (मुंबई में आतंकवादी हमला) के संस्मरण कार्यक्रम के आयोजन के लिए 2013 में माननीय कांन्सलर कोर डिप्लोमैट को 10 लाख रुपये की राशि प्रदान की गयी.

(vi) सीएसआर निधि खाते से अस्थायी रूप से खर्चे में लिखते हुए, महाराष्ट्र मुख्यमंत्री सूखा राहत निधि, 2013, में रु.1 करोड का अंशदान किया गया.

(vii) 20 हाईस्कूल कक्षाओं के कमरों का नूतनीकरण करने हेतु एक धर्मादाय तथा शैक्षणिक संगठन, सोशल सर्विस लीग को रु.11.50 लाख मंजूर किये गये थे.

(viii) कैंसर रोगियों तथा उनके रिश्तेदारों को नि:शुल्क आवास हेतु कॉटन ग्रीन (पूर्व) स्थित तीन इमारतों को मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने टाटा स्मारक अस्पताल, परेल को वर्ष 2015-16 में आबंटित किया है. उसके देय किराये के प्रति सीएसआर निधि से रु.1,89,75,000 को समायोजित किया गया है.

टाटा स्मारक अस्पताल में उपचार हेतु आनेवाले बाहर के शिशु कैंसर रोगियों के लिए सीएसआर के तहत 1 रुपया प्रति वर्गमीटर प्रतिमाह की नाममात्र राशि से टाटा स्मारक केंद्र (परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के तहत एक अनुदानित संस्था) को राजस नगर स्थित 'ए', 'बी', 'सी' इमारत के आगे का एक आउटहाउस आबंटित किया गया है.

(ix) 5 पात्र अजा, अजजा विद्यार्थियों को लगभग रु. 50,000 प्रतिवर्ष की छात्रवृत्तियाँ देने हेतु रु.30 लाख की एक अक्षय निधि का सृजन वर्ष 2015-16 में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू) में किया गया है.

(x) 2015-16 में कुष्ठ रोग से पीडित व्यक्तियों को संरक्षक जूते प्रदान करने हेतु लेप्रसी मिशन ट्रस्ट, मुंबई को रुपये 1 लाख की रकम मंजूर की गयी है.

(xi) (क) 3-5 वर्षों के लिए रु.2.12 करोड की अनुमानित लागत से बॉम्बे नॅचरल हिस्टरी सोसायटी (बीएनएचएस) द्वारा वर्ष 2013 में संकल्पित 'मरीन बायोडायव्हर्सिटी कंझर्वेशन प्रोग्राम' को अपनाने/पूर्णत: निधि प्रदान करने के लिए जिसमें मँग्रोव्ह का पुनरुध्दार तथा मोबाईल एज्युकेशन यूनिट के जरिए नेचर एज्युकेशन की दो आरंभिक परियोजनाएँ शामिल हैं.

- प्रथम वर्ष के लिए अंशदान के रुप में उपरोक्त परियोजनाओं के लिए बीएमएचएस को रु.1 करोड़ दिये गये.

(ख) लगभग रु. 60 लाख के अनुमानित व्यय के साथ बीएनएचएस द्वारा शिवडी स्थित फ्लेमिंगो की आबादी पर किया गया सहायक अध्ययन जिसमें शिवडी की खाडी में आनेवाले लेजर फ्लेमिंगो की स्थानांतरण प्रवृत्ति, जल पक्षियों की जातिवार आबादी का मूल्यांकन तथा पानी व प्रदूषकों का रासायनिक विश्लेषण शामिल है.

(xii) वर्ष 2013-14 से आगे तीन वर्षों के लिए लाइट ऑफ लाइफ ट्रस्ट की परियोजना 'आनंदो' के तहत निर्धारित किये गये 100 ग्रामीण बच्चों को रु 8,400 प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष की दर से वित्तीय सहायता. ट्रस्ट को कुल 16,80,000 रूपये की निधि प्रदान की गयी है.

(xiii) कंप्यूटर अकादमी, ग्रंथालय तथा स्टडी सेंटर का नवीकरण, उन्नयन तथा अधिक सुविधाएँ जोडने हेतु विद्यार्थी उत्कर्ष मंडल, परेल को उनकी परियोजना के लिए वर्ष 2016-17 में रु.13,25,601 की वित्तीय सहायता.

(xiv) बच्चों में पढने की आदत को बढावा देने हेतु प्रौद्योगिक के साथ कथा कथन की कला को जोडने और उसके द्वारा मराठी साहित्य को जतन करने के लिए योगदान देते हुए मराठी में बोलने वाली किताब के रूप में, बच्चों के लिए बालकोश के संकलन से कविताओं तथा लघु कथाओं को आगे लाने के लिए एक वेबसाईट का विकास करने हेतु वर्ष 2016-17 में डॉ. निशीगंधा वाड एज्युकेशनल ॲण्ड कल्चरल सोसायटी को रु.25 लाख की वित्तीय सहायता.